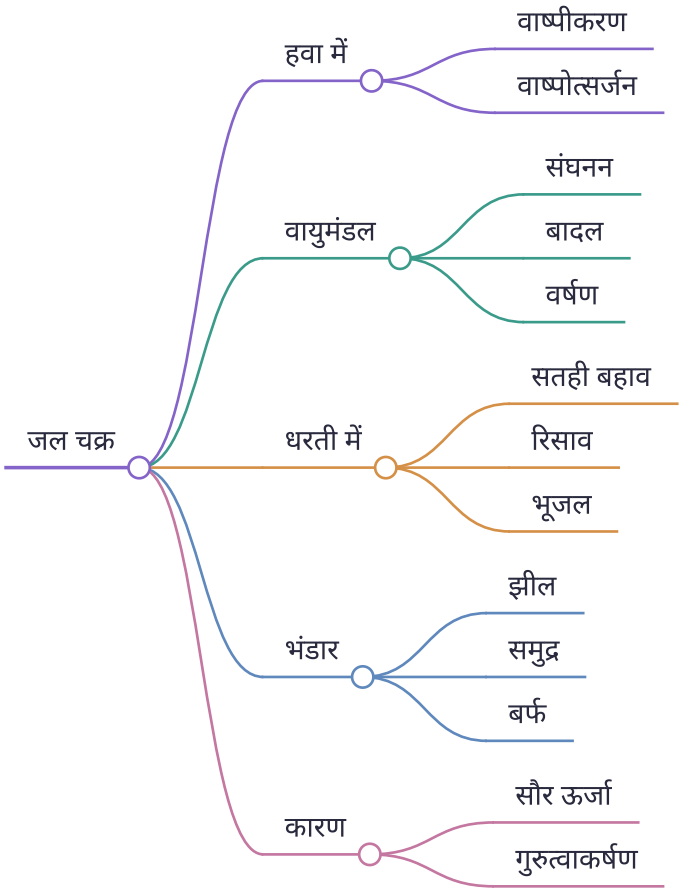
जल चक्र

पानी के भंडारों और परिवर्तनों को जोड़ें।



एक समय में एक शाखा पढ़ें। विवरण छिपाकर उसे अपने शब्दों में समझाएँ।

विषय को समझें

सूर्य की ऊर्जा वाष्पीकरण में सहायक है। जलवाष्प संघनित होकर बूंदें बनती है और वर्षण पानी को धरती पर लौटाता है। पानी सतह पर बह सकता है, जमीन में रिस सकता है या झील और बर्फ में जमा रह सकता है। पौधों का वाष्पोत्सर्जन भी योगदान देता है। सभी बूंदें एक ही रास्ता नहीं अपनातीं।

मानचित्र की संरचना

अवस्था परिवर्तन, प्रवाह और भंडार अलग रखें।

> **इस बात पर ध्यान दें**
> बादल में छोटी बूंदें या बर्फ के कण होते हैं; वह केवल अदृश्य जलवाष्प नहीं है।

खुद करके देखें

तालाब से बादल और फिर भूजल तक एक बूंद का रास्ता बनाएं और हर प्रक्रिया का नाम लिखें।

सोचने के लिए दो प्रश्न

रिसाव में क्या होता है?

सतह का पानी मिट्टी और चट्टानों के छिद्रों में जाता है।

वाष्पीकरण के लिए क्या चाहिए?

तरल से गैस बनने में पानी परिवेश से ऊर्जा लेता है।

स्रोत

usgs.gov
https://www.usgs.gov/water-science-school/water-cycle

Studera.ai द्वारा तैयार उदाहरण और अभ्यास। studera.ai/hi/sansadhan/mind-map-udaharan पर मानचित्रों का उपयोग करें।